जागृति

वर्ष.65 अंक-08 मुंबई जुलाई, 2021

केवीआईसी ने एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) को अपनाया

केवीआईसी ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

वर्ष:65 अंक:08 मुंबई जुलाई, 2021

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

सह संपादक
स्मिता जी. नायर

उप संपादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिंदी अनुवाद अधिकारी
सरस्वती खनका

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
सुबोध कुमार
शिव दयाल कुशवाहा

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई -400056
के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: editorialpublicitykvic@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों
तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग
अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार.....3 से 14

- केवीआईसी ने प्रभावी और समान वित्तीय प्रथाओं के लिए एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) को अपनाया .....
- खादी ग्रामोद्योग आयोग ने कोविड-19 महामारी के बावजूद वित्त वर्ष 2020-21 में रिकॉर्ड तोड़ कारोबार दर्ज किया.....
- केवीआईसी ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया.....
- "खादी प्राकृतिक पेंट" के नाम पर धोखाधड़ी दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक इकाई पर ब्रांड नाम 'खादी' का उपयोग करने पर रोक लगाई.....
- दिल्ली उच्च न्यायालय ने "खादी" ब्रांड नाम का गैरकानूनी रूप से उपयोग कर रही नकली संस्थाओं - "खादी डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया" और "मिस इंडिया खादी फाउंडेशन" को प्रतिबंधित किया.....
- कुम्हारों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए: केवीआईसी द्वारा आरबीएल बैंक के साथ समझौता.....
- एमएसएमई मंत्री द्वारा चलायी जा रहीं खादी ग्रामोद्योगी गतिविधियों की समीक्षा.....
- आयोग के खादी ग्रामोद्योग भवन के नवनिर्मित भण्डार का उद्घाटन.....
- नयागढ़, ओडिशा में मधुमक्खी छत्तों का वितरण.....

सफलता की कहानी.....15 से 16

ऐसी महिला की सफलता की कहानी जिसने उद्यमिता में पूर्वोत्तर संस्कृति को शामिल किया.....

प्रेस कवरेज व सोशल मीडिया .....17 से 20

केवीआईसी ने प्रभावी और समान वित्तीय प्रथाओं के लिए एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) को अपनाया

10 जून 2021 मुंबई : केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने, केवीआईसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा, वित्त सलाहकार आशिमा गुप्ता और अटोस – इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री उमर अली शेख के उपस्थिति में केवीआईसी के सभी कार्यालयों में एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) का शुभारंभ किया तथा जिसे सभी कार्यालयों के लिये गो - लाइव घोषित किया।

एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली, केवीआईसी के सभी कार्यालयों में बजट, वित्त, लेखा और वित्तीय रिपोर्टिंग की प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करेगी, इसकी प्रक्रियाओं को पारदर्शी बनाएगी, समान प्रक्रियाओं, प्रथाओं और प्रक्रियाओं को सक्षम करेगी तथा वित्तीय प्रबंधन की बेहतर निगरानी और नियंत्रण सुनिश्चित करेगी।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने इस एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली की शुरूआत को 'ऐतिहासिक' बताते हुए कहा कि आईएफएमएस न केवल प्रत्यक्ष ऑनलाइन प्रणाली को प्रोत्साहित करेगा बल्कि बड़े पैमाने पर पारदर्शिता और दक्षता व्यवस्था भी लाएगा । आगे उन्होंने कहा कि सिस्टम का डिजिटलीकरण एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है भारत सरकार का मुख्य उद्देश्य भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और अर्थव्यवस्था के ज्ञान में बदलने के विजन से है। श्री सक्सेना ने आगे कहा कि चूंकि यह प्रणाली अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, इसलिए देर-सबेर कुछ अड़चनें आ सकती हैं, लेकिन यह निश्चित रूप से केवीआईसी के कामकाज को गति देगा और दोनों टीमें दूसरों के लिए एक उदाहरण स्थापित करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम करेगी।

केवीआईसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा ने आईएफएमएस प्रणाली पर अपना आश्वासन देते हुए कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी का समाधान करना समय की आवश्यकता है और केवीआईसी इसका सर्वोत्तम उपयोग करने का प्रयास करेगा। प्रारंभिक परेशानियां आने के पश्चात् इस

(शेष पृष्ठ 11 पर....)

खादी ग्रामोद्योग आयोग ने कोविड-19 महामारी के बावजूद वित्त वर्ष 2020-21 में रिकॉर्ड तोड़ कारोबार दर्ज किया

नई दिल्ली, 17 जून, 2021: कोविड-19 महामारी से पूरी तरह से प्रभावित साल 2020-21 में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने अपना अब तक का सबसे अधिक कारोबार दर्ज किया है। वर्ष 2020-21 में आयोग ने 95,741.74 करोड़ रुपये का सकल वार्षिक कारोबार दर्ज किया। पिछले वर्ष यानी 2019-20 में हुए 88,887 करोड़ रुपए के कारोबार में इस साल करीब 7.71 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है।

2020-21 में खादी आयोग का रिकॉर्ड प्रदर्शन बहुत महत्व रखता है क्योंकि पिछले साल 25 मार्च को पूरे देश में लॉकडाउन की घोषणा के चलते उत्पादन गतिविधियाँ तीन महीने से अधिक समय तक निलंबित रहीं थी। इस अवधि के दौरान सभी खादी उत्पादन इकाइयाँ और बिक्री आउटलेट बंद रहे जिससे उत्पादन और बिक्री बुरी तरह प्रभावित हुई। हालांकि, खादी आयोग तेजी से माननीय प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' के आह्वान पर तेजी से काम किया। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री, श्री नितिन गडकरी के अनोखे मार्केटिंग आइडिया ने केवीआईसी की उत्पाद श्रृंखला को और विविधता प्रदान की, स्थानीय उत्पादन को बढ़ाया और खादी के क्रमिक विकास का मार्ग प्रशस्त किया।

वर्ष 2015-16 की तुलना में, 2020-21 में खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्रों में कुल उत्पादन में 101 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि इस अवधि के दौरान कुल बिक्री में 128.66 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

खादी ई-पोर्टल, खादी मास्क, खादी फुटवियर, खादी प्राकृतिक पेंट और खादी हैंड सैनिटाइज़र आदि का शुभारंभ, नई प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) इकाइयों की रिकॉर्ड संख्या की स्थापना, नए स्फूर्ति क्लस्टर, स्वदेशी' के लिए सरकार की पहल और खादी आयोग का अर्धसैनिक बलों के सामाग्री की आपूर्ति करने के ऐतिहासिक समझौते से महामारी के इस दौर में केवीआईसी के कारोबार में वृद्धि हुई। ग्रामोद्योग ने 2019-20 में 65,393.40 करोड़ रुपए के खादी उत्पादन की तुलना में 2020-21 में 70,329.67 करोड़ रुपए का उत्पादन किया। इसी तरह से वित्त वर्ष 2020-21 में ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री 92,214.03 करोड़ रुपए की हुई। जबकि 2019-20 में यह आंकड़ा 84,675.29 करोड़ का था।

खादी क्षेत्र में उत्पादन और बिक्री में थोड़ी गिरावट आई क्योंकि देश भर में कताई और बुनाई गतिविधियां महामारी के चलते बंद रहीं। खादी क्षेत्र में 2020-21 में कुल उत्पादन

(शेष पृष्ठ 12 पर....)

"खादी प्राकृतिक पेंट" के नाम पर धोखाधड़ी दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक इकाई पर ब्रांड नाम 'खादी' का उपयोग करने पर रोक लगाई

11 जून 2021, नई दिल्ली: ***दिल्ली उच्च न्यायालय ने नकली खादी प्राकृतिक पेंट के अवैध निर्माण और इसकी बिक्री में शामिल गाजियाबाद के एक व्यापारी को ऐसी सभी गतिविधियों को तुरंत रोकने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि उमेश पाल के एकल स्वामित्व वाली प्रतिवादी जेबीएमआर एंटरप्राइजेज "खादी" ब्रांड नाम का अवैध रूप से इस्तेमाल कर रही है तथा "खादी प्राकृतिक पेंट" के नाम एवं पैकेजिंग की नकल करके उपभोक्ताओं को गुमराह कर रही है और यह "जालसाजी" में लिप्त है। इसने खादी की "ख्याति तथा प्रतिष्ठा" को ठेस पहुंचाई है।***

खादी प्राकृतिक पेंट गाय के गोबर से बनाया गया एक अनूठा व अभिनव पेंट है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा विकसित फंगसरोधी तथा जीवाणुरोधी पेंट को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी के द्वारा 12 जनवरी, 2021 को लॉन्च किया गया था। लॉन्च होने के बाद से ही यह पेंट काफी लोकप्रिय हो गया और देश के सभी हिस्सों से भारी मात्रा में इसके ऑर्डर मिल रहे हैं।

"वादी (केवीआईसी) ने अपने पक्ष में एक प्रथम दृष्टया मामला स्थापित किया है...ऐसे मामले में यदि एक पक्षीय अंतरिम निषेधाज्ञा नहीं दी जाती है। तो वादी अर्थात खादी और ग्रामोद्योग आयोग को एक अपूरणीय क्षति होगी। तदनुसार, सुनवाई की अगली तारीख तक न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने आदेश दिया कि प्रतिवादी को ट्रेडमार्क 'खादी' के तहत निर्माण, विज्ञापन या बिक्री पर रोक लगायी जाती है।

अदालत ने प्रतिवादी - जेबीएमआर एंटरप्राइजेज - को अपनी वेबसाइट www.khadiprakritikpaint.com का संचालन बंद करने, "खादी प्राकृतिक पेंट" के तहत अपना फेसबुक अकाउंट बंद करने और इसकी ईमेल आईडी khadiprakritikpaint@gmail.com को निलंबित करने का भी निर्देश दिया। 4 जून 2021 को आदेश पारित करने वाली अदालत ने 7 दिनों के भीतर आदेश का अनुपालन करने का निर्देश दिया है।

केवीआईसी के वकील ने अदालत में प्रस्तुत किया कि प्रतिवादी जेबीएमआर एंटरप्राइजेज, इंडियामार्ट और ट्रेडइंडिया जैसी तीसरे पक्ष की वेबसाइटों पर नकली "खादी प्राकृतिक पेंट" भी बेच रहा था। इसके अलावा, यह अपनी वेबसाइट पर एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के आधिकारिक लोगो का उपयोग उपभोक्ताओं को यह विश्वास दिलाने के लिए कर रहा था कि जेबीएमआर एंटरप्राइजेज एक सरकारी सहयोगी है।

"फरवरी 2021 में, केवीआईसी ने देखा कि प्रतिवादी द्वारा "खादी प्राकृतिक पेंट", "प्राकृतिक पेंट" और "वेदिका प्राकृतिक पेंट" के तहत नकली पेंट का निर्माण किया जा रहा था। तदनुसार, 8 फरवरी को प्रतिवादी को एक कानूनी नोटिस भेजा गया था, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। 4 मई, 2021 को, केवीआईसी ने www.khadiprakritikpaint.com डोमेन नाम के खिलाफ यूनिफ़ॉर्म डोमेन नेम डिस्प्यूट रेज़ोल्यूशन (UDRP) कार्यवाही शुरू की, "याचिका में कहा गया है। हालांकि, प्रतिवादी ने जवाब दिया कि उसने केवीआईसी से प्रशिक्षण लिया है और खादी प्राकृतिक पेंट की फ्रेंचाइजी ले रहा है।

यह उल्लेख करना उचित है कि केवीआईसी ने "खादी प्राकृतिक पेंट के निर्माण या विपणन के लिए किसी भी एजेंसी को आउटसोर्स नहीं किया है।

"केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा

(शेष पृष्ठ 14 पर....)

दिल्ली उच्च न्यायालय ने "खादी" ब्रांड नाम का गैर-कानूनी रूप से उपयोग कर रही नकली संस्थाओं - "खादी डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया" और "मिस इंडिया खादी फाउंडेशन" को प्रतिबंधित किया

11 जून 2021, नई दिल्ली: दो निजी संस्थाएं - "खादी डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया" (केडीसीआई) और "मिस इंडिया खादी फाउंडेशन" (एमआईकेएफ) जो भ्रामक तरीके से "खादी" ब्रांड नाम का उपयोग कर रही थीं और लोगों को धोखा दे रही थीं - को दिल्ली उच्च न्यायालय ने खादी के नाम पर "भ्रामक" गतिविधियाँ जैसे किसी भी तरह के कार्य से रोक दिया है।

माननीय उच्च न्यायालय ने कहा कि दो संस्थाओं के नाम खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के ट्रेडमार्क "खादी" के समान थे और भ्रम बना रहे थे और इसलिए, केवीआईसी के स्वमित्व वाले ट्रेडमार्क "खादी" का उल्लंघन था।

न्यायमूर्ति संजीव नरूला की अध्यक्षता वाली पीठ ने प्रतिवादियों को निर्देश दिया कि "भारतीय खादी डिजाइन परिषद", "मिस इंडिया खादी फाउंडेशन" और इसके स्वयं घोषित सीईओ अंकुश अनामी के द्वारा संचालित इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक पेजों पर ट्रेडनेम "खादी डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया" और "मिस इंडिया खादी" के नाम से अपने सभी सोशल मीडिया एकाउंट को हटाएं। माननीय उच्च न्यायालय ने www.missindiskhadi.in और www.kdci.org वेबसाइटों और आकाश अनामी द्वारा संचालित एक ई-कॉमर्स पोर्टल www.paridhaanam.com जो केवीआईसी के ई-पोर्टल के समान है, से उल्लंघन करने वाली सामग्री को हटाने का भी आदेश दिया। 28 मई 2021 को आदेश पारित करने वाली अदालत ने 7 दिनों के भीतर आदेश का अनुपालन करने का निर्देश दिया है।

न्यायालय का आदेश केवीआईसी द्वारा दायर एक याचिका पर आया जिसमें आरोप लगाया गया था कि प्रतिवादी "मिस इंडिया खादी" और "राष्ट्रीय खादी डिजाइनर पुरस्कार, 2019" शीर्षक 19 से 22 दिसंबर 2020 तक गोवा में ऐसे दो कार्यक्रमों की योजना बना रहे थे, साथ ही इसका विज्ञापन कर रहे थे, और इस तरह एक गलत धारणा बना रहे थे मानो कार्यक्रम खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा आयोजित किए जा रहे हों। इसके अलावा, प्रतिवादी केडीसीआई द्वारा फैशन डिजाइनरों को "खादी प्रमाणन" का वादा करके और उसके एवज में प्रति व्यक्ति 2000 रुपये चार्ज करके लोगों को ठगा जा रहा था। प्रतिवादियों ने अपनी वेबसाइट www.missindiakhadi.in पर केवीआईसी के प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) से जुड़े होने का भी दावा किया, जिसमें केवीआईसी के पीएमईजीपी पेज का हाइपरलिंक था।

"वादी (केवीआईसी) ने अपने पक्ष में एक प्रथम दृष्टया मामला स्थापित किया है... ऐसे मामले में यदि एक पक्षीय अंतरिम निषेधाज्ञा नहीं दी जाती है। तो वादी अर्थात खादी और ग्रामोद्योग आयोग को एक अपूरणीय क्षति होगी। तदनुसार, सुनवाई की अगली तारीख तक बेंच ने आदेश दिया कि प्रतिवादी को ट्रेडमार्क 'खादी' के तहत निर्माण, विज्ञापन या किसी भी प्रकार की वस्तुओं या सेवाओं को प्रदान करने पर रोक लगाते हैं। इसके अलावा फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब पेजों पर प्रतिवादियों को "खादी डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया" और "मिस इंडिया खादी" और उनकी वेबसाइटों

(शेष पृष्ठ 14 पर....)

कुम्हारों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए
केवीआईसी द्वारा आरबीएल बैंक के साथ समझौता

प्रधान मंत्री के आत्मनिर्भर भारत की आकांक्षा के अनुरूप, कुम्हारी क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए कालातीत विरासत शिल्प का समर्थन करने के लिए, केवीआईसी ने सशक्त भारत को बढ़ावा देने हेतु स्ट्रैंथनिग द पोटेंशियल आफ इंडिया (स्पिन)- नामक एक योजना बनाई है । स्पिन योजना के दोहरे उद्देश्य 'माइक्रो बैंक फाइनेंस' के साथ कौशल विकास प्रशिक्षण और आधुनिक उपकरण प्रदान करके कुम्हारों की आय में वृद्धि करना है और कुम्हारों को उद्यमिता विकसित करने में सहायता प्रदान करना है, जो दीर्घकाल तक स्वयं शासित होंगे।

इसे देखते हुए, 10 जून 2021 को केवीआईसी ने 4 राज्यों अर्थात बिहार, यूपी, राजस्थान, झारखंड में रसायन आधारित उद्योग के तहत स्पिन योजना का एक प्रमुख परियोजना (पायलट प्रोजेक्ट)के रूप में कार्यान्वयन करने के लिए आरबीएल लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन निष्पादित किया । यह समझौता ज्ञापन आरबीएल बैंक लिमिटेड द्वारा भारत में कुम्हारों को वित्तीय सहायता की सुविधा प्रदान करने के लिए बनाया गया है, जिसका उद्देश्य 'प्रधान मंत्री शिशु मुद्रा योजना' के तहत शिशु श्रेणी इकाइयों को उद्यमिता में बढ़ावा देना है, बशर्ते कुम्हार, आरबीएल बैंक द्वारा समय -समय पर निर्धारित क्रेडिट मानदंडों को पूरा करते हैं तथा उक्त ऋण नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड द्वारा 'माइक्रो यूनिट्स योजना' के लिए क्रेडिट गारंटी फंड के तहत गारंटी के लिए पात्र है।

इस योजना के तहत कारीगर, सीजीएफएमयू के प्रधानमंत्री शिशु मुद्रा योजना के अंतर्गत आरबीएल बैंक लिमिटेड के माध्यम से 20,000/- (इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील - रु. 17000/- + कार्यशील पूंजी - रु. 3000/-) रुपये की ऋण राशि का लाभ उठा सकते हैं।

केवीआईसी द्वारा मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कारीगरों (कुम्हारों) से 2000/- रुपये की धन राशि (अर्थात 1900/- रुपये प्रशिक्षण शुल्क और 100/- रुपये पंजीकरण शुल्क) एकत्रित की जाएगी।

केवीआईसी की ओर से केवीआईसी के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वाई.के बारामतीकर एवं आरबीएल के कार्यकारी निदेशक श्री राजीव आहूजा, आरबीएल द्वारा केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना, मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा, वित्त सलाहकार सुश्री आशिमा गुप्ता और केवीआईसी के अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

❑❑

केवीआईसी ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

केवीआईसी ने अपने मुख्यालय सहित सभी राज्य/मण्डलीय कार्यालयों में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

योग दिवस की कुछ झलकियां

केवीआईसी के माननीय अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना, नई दिल्ली स्थित आयोग के कार्यालय और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा, मुम्बई स्थित मुख्यालय में योगाभ्यास करते हुए।

केवीआईसी के राज्य/मण्डलीय कार्यालयों में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की कुछ झलकियां

अगरतला

जयपुर

भोपाल

मदुरई

गोरखपुर

गोवाहाटी

विशाखापटनम

अहमदाबाद

देहरादून

एमएसएमई मंत्री द्वारा चलायी जा रहीं खादी ग्रामोद्योगी गतिविधियों की समीक्षा

केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी ने केवीआईसी द्वारा संचालित की जा रही खादी ग्रामोद्योग गतिविधियों और विकासात्मक पहलों पर एक समीक्षा बैठक 22 जून, 2021 को उद्योग भवन नई दिल्ली में आयोजित की गयी।

माननीय एमएसएमई मंत्री श्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में हुई बैठक में माननीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री प्रताप चंद्र सरगी; सचिव, एमएसएमई श्री बी.बी. स्वैन; अध्यक्ष, केवीआईसी श्री विनय कुमार सक्सेना, संयुक्त सचिव (एआरआई) श्री सुधीर गर्ग; केवीआईसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री.प्रीता वर्मा और एमएसएमई मंत्रालय और केवीआईसी के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में प्राकृतिक पेंट से संबंधित समझौते पर प्रगति, प्राकृतिक पेंट के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की शर्तें पर विशेष रुप से चर्चा की गयी। इस अवसर पर केंद्रीकृत पूनी प्रापण/खरीद, फ्रेंचाइजी शुल्क, खादी संस्थाओं की बिक्री को बढ़ावा देने की पहल, आईसेक और एमएमडीए से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

इससे पहले, 18 जून, 2021 को विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एमएसएमई सचिव की अध्यक्षता में नई दिल्ली में एक वरिष्ठ अधिकारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में संयुक्त सचिव(एआरआई), संयुक्त सचिव(एसएमई), एडीसी (पीएस),एडीसी (आईजीटी),संयुक्त सचिव (एएफआई) और डीडीजी (डीपीएस) ने भाग लिया।

विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एमएसएमई सचिव, की अध्यक्षता में 18 जून, 2021 को नई दिल्ली में एक वरिष्ठ अधिकारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में संयुक्त सचिव(एआरआई), संयुक्त सचिव(एसएमई), एडीसी (पीएस),एडीसी (आईजीटी),संयुक्त सचिव (एएफआई) और

(शेष पृष्ठ 11 पर....)

(पृष्ठ 3 से आगे.....)

केवीआईसी ने प्रभावी और समान वित्तीय प्रथाओं के.....

सिस्टम को शुरू किया गया और दूसरों के लिये एक उदाहरण स्थापित किया है।

उन्होंने आगे बताया कि एटोस की भागीदारी के साथ डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली को लागू करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस अवसर पर एटोस - इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री उमर अली शेख ने कहा कि यह 'आईएफएमएस प्रणाली' सरकारी कामकाज प्रणाली को बेहतर बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। एटोस एक प्रतिष्ठित फर्म है जिसने कई विनिर्माण और फ्रंटलाइन कंपनियों के लिए आईटी सम्बंधित समाधान किए हैं ताकि उन्हें प्रौद्योगिकी में सक्षम होने के लिए सशक्त बनाया जा सके। उन्होंने केवीआईसी के कामकाज में इस प्रणाली को सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास करना भी सुनिश्चित किया।

पूर्व में, केवीआईसी की वित्त सलाहकार सुश्री आशिमा गुप्ता ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि 'आईएफएमएस प्रणाली' पूर्ण रूप से संगठन के हित में है। अब फंड को क्षेत्रीय कार्यालयों में 'आईएफएमएस' के माध्यम से भेजा जाएगा। एटोस के साथ, केवीआईसी निश्चित रूप से एक मील का पत्थर स्थापित करेगा। उन्होंने यह भी आशा व्यक्त की कि एटोस उन विभिन्न मुद्दों को सुलझाएंगे जो कामकाज के दौरान निश्चित रूप से सामने आएंगे।

एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) के अंतर्गत आने वाले व्यापक क्षेत्रों में बजट और जांच विश्लेषण, पे ऑर्डर प्रोसेसिंग (वेतन आदेश प्रसंस्करण), सामान्य खाता बही / अनुसूची, प्राप्य खाते, देय खाते, नकद प्रबंधन और ट्रेजरी, लागत और वित्तीय नियंत्रण, फिक्स्ड एसेट अकाउंटिंग, उपयोगकर्ता रिपोर्ट, एमआईएस रिपोर्ट, डैश बोर्ड, अंतिम लेखा और अनुसूचियां - अनुबंध प्रबंधन के अलावा एकीकृत और व्यक्तिगत, खरीद आदेश प्रबंधन, विक्रेता / कांट्रेक्टर मैनेजमेंट , बिलिंग और लेखा, चल संपत्ति का भौतिक स्टॉक, अचल संपत्ति का भौतिक स्टॉक का सत्यापन, उपयोगकर्ता रिपोर्ट और एमआईएस रिपोर्ट शामिल हैं।

यह एमडीए ऑनलाइन प्रोसेसिंग एवं डिस्बर्समेंट सिस्टम, आईएसईसी ऑनलाइन प्रोसेसिंग तथा पीएमईजीपी ई-पोर्टल, पेरोल पैकेज, खादी इंस्टीट्यूशंस मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम (खादी संस्था प्रबंधन सूचना) और पीएफएमएस सिस्टम के लिए एक प्रभावी इंटरफेस के रूप में भी काम करेगा।

इससे पूर्व आयोग के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वाई.के. बारामतिकर ने इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। सूचना प्रौद्योगिकी के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री राजन बाबू ने इस अवसर पर आईएफएमएस की आवश्यकता और कार्यप्रणाली पर एक प्रस्तुतिकरण (प्रेजेंटेशन) किया। इसके पश्चात् लेखा निदेशक सुश्री गीता वारियर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। ❍❍

(पृष्ठ 10 से आगे.....)

एमएसएमई मंत्री द्वारा चलायी जा रहीं.....

डीडीजी (डीपीएस) ने भाग लिया।बैठक में प्रतिभागियों से संबंधित विभागों के कार्यवाई प्रतिवेदन (एटीआर) पर चर्चा की गई ।बैठक के दौरान सीपीजीआरएएमएस, वीआईपी/पीएमओ संदर्भ की लंबित स्थिति, चैम्पियंस पोर्टल, अदालती मामलों की समीक्षा की गई और सभी संभागों को लंबित मामलों को नियमित रूप से निपटाने के निर्देश दिए गए। सचिव ने दोहराया कि मंत्रालय की उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए मासिक आधार पर एक लागत प्रभावी सफलता की कहानी अभियान शुरू करने पर जोर दिया और कहा कि योजनाओं, सफलता की कहानियां, प्रक्रिया, कार्यप्रणाली, महामारी के समय में किए गए प्रयासों को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित करने के लिए वृत्तचित्र श्रृंखला शुरू की जानी चाहिए। संयुक्त सचिव(एमएसएमई) ने अध्यक्ष को बताया कि हिंदी और अंग्रेजी द्विभाषीय ई-बुक को व्यापक प्रचार के लिए मंत्रालय की वेबसाइट पर रखा गया है।

❑❑

आयोग के खादी ग्रामोद्योग भवन के नवनिर्मित भण्डार का उद्घाटन

केवीआईसी के माननीय अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 22 जून 2021 को गांधी दर्शन, राजघाट, नई दिल्ली में आयोग के खादी ग्रामोद्योग भवन के नवनिर्मित /पुनर्निर्मित गोदाम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केवीआईसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा ने भी उपस्थिति थीं।

(पृष्ठ 4 से आगे.....)

खादी ग्रामोद्योग आयोग ने कोविड-19 महामारी के बावजूद वित्त वर्ष 2020-21 में रिकॉर्ड तोड़ कारोबार.....

1904.49 करोड़ रुपये का हुआ जबकि 2019-20 में यह आंकड़ा 2292.44 करोड़ रुपए का था। 2020-21 में कुल खादी बिक्री 3527.71 करोड़ रुपए की हुई और पिछले वर्ष में यह बिक्री 4211.26 करोड़ रुपए की थी।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि महामारी के दौरान लोगों ने "आत्मनिर्भर भारत" और "वोकल फॉर लोकल " के आह्वान का उत्साहपूर्वक जवाब दिया। “इस अवधि के दौरान, केवीआईसी का मुख्य ध्यान कारीगरों और बेरोजगार युवाओं के लिए स्थायी रोजगार सृजित करने पर रहा। आर्थिक संकट का सामना करते हुए, बड़ी संख्या में युवाओं ने पीएमईजीपी के तहत स्वरोजगार और विनिर्माण गतिविधियों को अपनाया जिससे ग्रामोद्योग क्षेत्र में उत्पादन में वृद्धि हुई। साथ ही, स्वदेशी उत्पादों को खरीदने की प्रधान मंत्री की अपील के बाद खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इस बात की पुष्टि इसी से होती है कि नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में अपने प्रमुख खादी और ग्रामोद्योग भवन में खादी की बिक्री पिछले साल अक्टूबर-नवंबर में चार बार एक-दिन की 1 करोड़ रुपये को पार कर गई ”।

❖❖

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केवीआईसी के नासिक स्थित डा. बी. आर. अम्बेडकर ग्रामीण प्रौद्योगिकी प्रबंधन संस्थान एवं नवीकरण ऊर्जा संस्थान में पौधरोपण।

नयागढ़, ओडिशा में मधुमक्खी छत्तों का वितरण

18 जून, 2021 को केवीआईसी के राज्य कार्यालय, ओडिशा ने भारत सरकार की ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत महिला स्वंय सहायता समूह (एसएचजी) अर्थात नयागढ़ जिले के बलभद्र पुर ग्राम पंचायत के ग्राम अखुपदार के अन्नपूर्णा मां मंगला एसएचजी के 10 सदस्यों को, डीआरडीए, नयागढ़ के सहयोग से, जिन्होंने लाभार्थियों की पहचान की थी , मधुमक्खी कॉलोनियों, लोहे के स्टैंड और टूलकिट के साथ 100 मधुमक्खी बॉक्स वितरित किए। इससे पूर्व केवीआईसी ने लाभार्थियों को 5 दिवसीय मधुमक्खीपालन का शुरुआती प्रशिक्षण दिया।

गांव के आसपास मधुमक्खी पालन के लिए अनुकूल प्राकृतिक वन संसाधन उपलब्ध हैं। ग्रामीण इन मधुमक्खियों और कॉलोनियों की मदद से शहद और मधुमक्खी कालोनियों की बिक्री करके स्थायी आय अर्जित कर सकेंगे।

वितरण कार्यक्रम के दौरान केवीआईसी के राज्य निदेशक श्री समीर कुमार मोहंती, सहायक निदेशक श्री बिचित्रानंद पांडा, जिला परियोजना प्रबंधक श्री संजीव महापात्रा, मास्टर मधुमक्खी पालन प्रशिक्षक श्री आलोक प्रधान उपस्थित थे।

(पृष्ठ 5 से आगे.....)

"खादी प्राकृतिक पेंट" के नाम पर धोखाधड़ी.....

कि यह खादी की लोकप्रियता से अनुचित लाभ लेने के लिए "धोखाधड़ी" का एक स्पष्ट मामला है। उन्होंने लोगों को इस तरह के जाल में न पड़ने का आग्रह किया और उपभोक्ताओं से खादी की दुकानों और खादी ई-पोर्टल www.khadiindia.gov.in से ही कोई खादी उत्पाद खरीदने की अपील की । "केवीआईसी ने खादी प्राकृतिक पेंट के निर्माण या बिक्री के लिए किसी एजेंसी को अधिकृत नहीं किया है। उच्च न्यायालय के आदेश से व्यक्तियों और फर्मों को "खादी" ब्रांड नाम का अवैध रूप से उपयोग करने से रोक दिया जाएगा, श्री सक्सेना ने कहा, केवीआईसी इस तरह के धोखाधड़ी के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई करेगा।

यह उल्लेख करना उचित है कि केवीआईसी ने हाल के दिनों में अपने ट्रेडमार्क "खादी" के उल्लंघन के खिलाफ कई मामले जीते हैं। इस साल 28 मई को, दिल्ली उच्च न्यायालय ने "खादी डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया" और "मिस इंडिया खादी फाउंडेशन" को "खादी" ब्रांड नाम का उपयोग करने से रोक दिया । इस साल 3 मई को, दिल्ली में एक मध्यस्थता न्यायाधिकरण (ट्रिब्यूनल) ने कहा था कि "खादी" निजी व्यक्तियों या फर्मों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला सामान्य नाम नहीं , तब किसी भी व्यक्ति को खादी ब्रांड नाम का उपयोग करने से स्थायी रूप से प्रतिबंधित किया गया था। इस साल मार्च में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक फर्म "IWEARKHADI" को खादी ब्रांड नाम और चरखा प्रतीक का उपयोग अपने उत्पादों के नाम से बेचने से रोक दिया था।

केवीआईसी ने पिछले कुछ वर्षों में ऐसे उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। केवीआईसी ने अब तक फैबइंडिया सहित 1000 से अधिक निजी फर्मों को अपने ब्रांड नाम का दुरुपयोग करने और खादी के नाम से उत्पाद बेचने के लिए कानूनी नोटिस जारी किए हैं । केवीआईसी ने फैबइंडिया से 500 करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा है जो मुंबई उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है।

(पृष्ठ 6 से आगे.....)

दिल्ली उच्च न्यायालय ने "खादी" ब्रांड नाम का गैरकानूनी रूप.....

'www.paridhaanam.com', 'www.kdci.org' और 'www.missindiakhadi.in' से ट्रेडमार्क उल्लंघन करने वाली सामग्री को प्रतिबंधित करने का निर्देश दिया जाता है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने अदालत के आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि यह व्यक्तियों और फर्मों को अवैध रूप से ब्रांड नाम "खादी" का उपयोग करने और झूठे वादों पर लोगों को लुभाने से रोकेगा। "भारतीय खादी डिजाइन परिषद" और "मिस इंडिया खादी" की गतिविधियां "खादी" के नाम का उपयोग कर लोगों को ठगने का एक स्पष्ट मामला है। श्री सक्सेना ने कहा कि "इन संस्थाओं का खादी से कोई संबंध या संबद्धता नहीं है। जिन लोगों को ठगा गया है, उन्हें धनवापसी की मांग करनी चाहिए और इन धोखेबाज़ संस्थाओं के खिलाफ शिकायत दर्ज करानी चाहिए।"

यह उल्लेख करना उचित है कि केवीआईसी ने हाल के दिनों में अपने ट्रेडमार्क "खादी" के उल्लंघन के विरुद्ध कई मामले जीते हैं। इस साल 3 मई को, दिल्ली में एक मध्यस्थता न्यायाधिकरण (ट्रिब्यूनल) ने कहा था कि "खादी" निजी व्यक्तियों या फर्मों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला सामान्य नाम नहीं , तब किसी भी व्यक्ति को खादी ब्रांड नाम का उपयोग करने से स्थायी रूप से प्रतिबंधित किया गया था। इस साल मार्च में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक फर्म "IWEARKHADI" को खादी ब्रांड नाम और चरखा प्रतीक का उपयोग अपने उत्पादों के नाम से बेचने से रोक दिया था।

केवीआईसी ने पिछले कुछ वर्षों में ऐसे उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। केवीआईसी ने अब तक फैबइंडिया सहित 1000 से अधिक निजी फर्मों को अपने ब्रांड नाम का दुरुपयोग करने और खादी के नाम से उत्पाद बेचने के लिए कानूनी नोटिस जारी किए हैं। केवीआईसी ने फैबइंडिया से 500 करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा है जो मुंबई उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है।

ऐसी महिला की सफलता की कहानी जिसने उद्यमिता में पूर्वोत्तर संस्कृति को शामिल किया

उत्तर पूर्व की कई महिलाओं के लिए एक रोल मॉडल बनी एक उद्यमी 'जैस्मिन जेलियांग' जिसने नागा संस्कृति और उसकी समृद्ध विरासत को प्रदर्शित कर अपने भविष्य को सवारा, उन्होंने कार्ड की दुकान के मालिक से लेकर एक उच्च सम्मानित उद्यमी बनने तक का एक लंबा सफर तय किया है। वह प्रथम महिला हैं जो पारंपरिक डिजाइनों और उद्देश्यों को आधुनिक रंगों, आकारों और वस्तुओं को रोजमर्रा के जीवन के उपयोगी उत्पादों में प्रतिपादित करती हैं। विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने की उनकी क्षमता ने उन्हें न केवल उन्हे दुनिया में एक स्थान दिलाया है बल्कि सांस्कृतिक मानचित्र में नागा और पूर्वोत्तर संस्कृति को भी शामिल किया है।

जैस्मिन जेलियांग का जन्म और पालन-पोषण नागालैंड में हुआ है। वह 24 वर्ष और 19 वर्ष के बेटों की मां हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा नागालैंड के एक कैथोलिक स्कूल से पूरी की और फिर शिमला, चंडीगढ़ और अंत में मुंबई में अपनी पढाई पूरी की।

2004 में उन्हें भारतीय शिल्प परिषद द्वारा शिल्प के लिए कमला देवी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 2008 में, उन्हें एफएलओ, एफआईसीसीआई, नॉर्थ-ईस्ट चैप्टर द्वारा महिला उद्यमिता पुरस्कार से सम्मानित किया गया और 2014 में उन्हें कला और शिल्प के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रतिष्ठित राज्यपाल के पदक से सम्मानित किया गया।

2013 में, वह वाशिंगटन में प्रतिष्ठित इंटरनेशनल विजिटिंग लीडरशिप प्रोग्राम के लिए भारत का प्रतिनिधित्व

करने वाले 3 सदस्यों में से एक थीं।

नागालैंड की पहली महिला उद्यमी, जैस्मिन जेलियांग को रिसेप्शन - कमेटी ऑफ इंडियन हैंडीक्राफ्ट एंड गिफ्ट फेयर (आईएचजीएफ) , दिल्ली मेला अक्टूबर 2018 का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जो एशिया का सबसे बडा उपहार और हस्तशिल्प मेले में से एक है।

उन्हें हाल ही में उत्तर पूर्व के लिए सीओए सदस्य और अखिल भारतीय कालीन कौशल उद्योग के बोर्ड सदस्य के रूप में पुनः चुना गया है।

31 जुलाई, 2019 को, नागा महिला कल्याण सोसायटी (एनडब्लू डब्लूएस), दीमापुर द्वारा हस्तशिल्प के लिए निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के सहयोग से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा आयोजित पारंपरिक उद्योगों के उत्थान हेतु निधि योजना (स्फूर्ति) के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें जैस्मिन ज़िलांग ईपीसीएच (एनईआर) की संयोजक और उपाध्यक्ष थीं।

जैस्मिन जेलियांग ने केवल एक बुनकर के साथ पारंपरिक वस्त्र गतिविधि शुरू की, जिसमें 500 से अधिक महिलाओं को रोजगार प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाया।

आज वह केवल नागालैंड में ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र में कारीगरों को प्रशिक्षित कर उनके साथ काम कर रही हैं।

प्रेस कवरेज

Life's lesson: 'Move Like A Butterfly, Sting Like A Bee'

DOMINICK RODRIGUES

Famed boxer Cassius Clay aka Muhammad Ali eulogized the tiny yet mighty bees when he said "I Move like a butterfly, But STING LIKE A BEE." Today they are in the global limelight for their tiny-yet-mighty-sized presence and noteworthy achievements in giving the environment a helping hand – especially in the spread of verdant forests around the world, which has honoured them with a day of their own.

World Bee Day was celebrated in Goa, India as part of the global celebrations on May 20, 2021, even as billions of the tiny, sweet-gold-bearing, busybody insects continued buzzing their way to environmental glory through pollenizing forests, augmenting rural human income and – presently – keeping away marauding elephant from destroying farmlands.

Observing World Bee Day acknowledges the role of bees and other pollinators in the ecosystem and the ICAR- Krishi Vigyan Kendra, North Goa and ICAR-Central Coastal Agricultural Research Institute CARI, Goa, celebrated "World Bee Day" on May 20, 2021 through a one-day programme entitled 'Augmenting Rural Income: The Beekeeping Way."

The event, which was organized virtually at ICAR-CCARI Goa, witnessed Dr B L Kashinath, Principal Scientist and Head, KVK, North Goa, highlighting the training program. Dr Lakhan Singh, Director, ICAR-ATARI, Pune, Maharashtra was the Chief Guest of the programme.

Detailing the history of World Bee Day celebrations on May 20 yearly since 2018, Dr Parveen Kumar, Director, ICAR-CCARI, Goa, said the United Nations Council accepted the proposal from Slovenia to celebrate 20th May – birth anniversary of the pioneer of beekeeping Anton Janša from Slovenia – as World Bee Day.

Highlighting the significance of beekeeping in augmenting the income of farmers, Dr. Lakhan Singh, Director, ICAR-ATARI, Pune, Maharashtra, narrated the numerous success stories of beekeeping including "Madhushakti" – a start-up project initiated by 100 women in Pune over two years and that has now ventured into FPO with brand-

ing and marketing of honey and earning additional income alongside farming.

Emphasizing that the KVKs showcase beekeeping by having units on their campus for training and demonstration, Singh also urged for creating network groups of beekeepers and providing them common processing and marketing facilities.

The programme was attended by 32 participants including farmers, officials of Directorate of Agriculture, scientists, subject matter specialists, technical staff of the KVK, North Goa and the ICAR-CCARI, Goa.

The event also witnessed technical session lectures on 'Scientific Beekeeping for augmenting rural income' by Mrs. Shishira Uttappa, and 'Meliponiculture-Beekeeping through Stingless Bees' by. HRC Prabhu, Subject Matter Specialist (Plant Protection) – which highlighted bee-keeping husbandry practices, benefits, capital requirements, marketing, networking, branding and success stories of beekeeping, as how to get maximum income Meliponiculture, etc.

Bharatpur in Rajasthan has emerged as a major producer of honey over the past few years, with some 3,000 farmers engaged in bee-keeping or apiculture. The mustard flowering season is also the period for honey production in this district, where hundreds of wooden bee-keeping boxes are placed in open patches of land adjoining the fields of marginal farmers – who obtain about 70 per cent of their income from bee-keeping and remaining 30 per cent from agriculture.

However, since 2015-16, a downturn in honey prices due to global overproduction is affecting bee-keepers, who are urging the Government to declare a minimum support price (MSP) for honey and also help establish a proper procurement process.

Apiculture is not an easy trade to be engaged in as bee-keepers face problems due to lack of proper documents, transport etc. Bee boxes need to be transported at night as bees fly out during rising temperatures in the day, while delay at borders and tollbooths results in losses.

Beekeepers feel they could earn additional income if they were provided the required training – with infrastructure and market – for extracting bee pollen, bee venom and royal jelly as these three types have medicinal value and command very high prices in the international market. Bee pollen can also be used as a topping for desserts.

Meanwhile, the KVIC is focusing its attention on promoting Bee-keeping for production of honey – and also defending the crop-growers farms and villagers from raiding elephants, who are attracted to the seasonal flowering crops and fruits.

Two bees unscrewing fanta bottle cap goes viral

"Busy as a bee" and 'buzzing around' are common terms of highlighting speedy activity in the human world. However, nature still has a lot of surprises to reveal to the world – including something common as opening a bottle – and a video of two bees unscrewing a Fanta bottle cap set the internet abuzz recently.

While bees normally search for honey from flowers before buzzing off to their hives to deposit their collection, the viral video of the two bees indulging in this unusual activity – of displaying insect power and intellect – became a huge attraction for viewers across social media platforms who were left awestruck at the tiny stingers' unique feat.

The video clip of this 'bee duo' – which has since been viewed probably millions of times on the internet – was shot by a person who managed to capture the moment when the two tiny bees joined forces to tackle the cap that is bigger than their collective size. While the person filming that video was left stunned by what the 'heroine' activity captured on film, the video going viral on the Internet left netizens gaping in astonishment.

Described as a 'bee evolution', this Bee(utiful) video was reported to have been filmed in São Paulo, Brazil last week, though it went viral on May 26.

BEE FACTS

All worker bees are female. A bee produces a teaspoon of honey (about 5 grams) in her lifetime. To produce a kilogram of honey, bees fly the equivalent of three times around the world in air miles. The type of flower the bees take their nectar from determines the honey's flavour.

Bees are important to the environment globally because – in the U.S. itself – they have been noticed pollinating approximately 130 agricultural crops comprising fruit, fiber, nut, and vegetables. Bee pollination adds approximately 14 billion dollars annually to improved crop yield and quality.

Bees hum mainly because they beat their wings 11,400 times in one minute!. Only female bees can sting and make bees don't have stingers. Honey bees communicate through a series of dance moves. Bees from a single hive will fly over 55,000 miles to make 1lb of honey and can create 100lbs of honey in a year. Bees can sense the hormone a human gives off when they're scared, and they attack if they feel their hive is threatened. The Honey Bee is the only insect that makes edible food for humans. Each Honey Bee from the same hive has their own specific odor identification.

The Ancient Egyptian King Pepy II came up with a clever insect repellent – by covering a slave completely with honey so they would be attracted to the honey and not him. Eating honey makes one smarter as It has an antioxidant that improves brain functions. Sometimes one often see bees not moving for a long time and wrongly assume that they are dead. However, such bees are not dead – but are exhausted and in need of sustenance after having flown miles and miscalculated their journey back to the hive. Scientists advise mixing a reviving drink for them. The recipe: mix one tablespoon of water with one tablespoon of sugar until dissolved, and then put it on a shallow plate or spoon besides such bees.

KVIC records highest ever turnover in FY2020-21 despite Coronavirus pandemic

NEW DELHI: In a year marred completely by COVID-19 pandemic, Khadi and Village Industries Commission (KVIC) has just recorded the highest ever turnover in its history.

In the year 2020-21, KVIC registered a gross annual turnover of Rs 95, 741.74 crore, as compared to Rs 88,887 crore turnover in 2019-20, and thus registering an increase of 7.71 per cent.

KVIC's record performance in 2020-21 assumes great significance as production activities remained suspended for more than three months during the nationwide lockdown announced on March 25 last year. During this period, all Khadi production units and sales outlets too remained closed that severely affected the production and sales.

However, KVIC swiftly rose to the Prime Minister's clarion calls for "Aatmanirbhar Bharat" and "Vocal for Local". The innovative marketing ideas of MSME Minister Nitin Gadkari further diversified KVIC's product range, scaled up local production and paved the way for Khadi's successive growth.

Compared to the year 2015-16, the overall production in Khadi and Village Industry sectors in 2020-21 has registered a whopping growth of 101 per cent while the gross sales during this period increased by 128.66 per cent. A host of initiatives like launch of Khadi e-portal, Khadi masks, Khadi footwear, Khadi Prakritik Paint, Khadi hand sanitizers, etc., setting up of a record number of new PMEGP units, new SFURTI clusters, government's push to "Swadeshi" and KVIC's historic agreements with Paramilitary forces for supply of provisions increased the turnover of village industry sector during the pandemic. Compared to the production of Rs 65,393.40 crore in 2019-20, the production in village industry sector increased to Rs 70,329.67 crore in 2020-21.

Similarly, in FY 2020-21, the sales of village industry products stood at Rs 92,214.03 crore as compared to Rs 84,675.29 crore in 2019-20.

The production and sales in the Khadi sector, however, declined by a small margin as spinning and weaving activities across the country took a major hit during the pandemic. The overall production in the Khadi sector in 2020-21 was recorded at Rs 1904.49 crore as compared to Rs 2292.44 crore in 2019-20, while the overall Khadi sales stood at Rs 3527.71 crore as compared to Rs 4211.26 crore in the previous year.

KVIC Chairman Vinai Kumar Saxena said during the Pandemic people responded enthusiastically to the calls of "Aatmanirbhar Bharat" and "Vocal for Local".

"During this period, KVIC's main focus was to create sustainable employment for artisans and unemployed youth. Faced with economic distress, a large number of youths took up self-employment and manufacturing activities under PMEGP which increased the production in the village industry sector. At the same time, the sales of Khadi and village industry products grew significantly following the Prime Minister's appeal to buy Swadeshi products. This is evident from the fact that Khadi's single-day sale at its flagship store at Connaught Place in New Delhi crossed Rs 1 crore mark four times in October - November last year," Saxena said. NPOST

प्रेस कवरेज

वोकल फॉर लोकल का असर, कोरोना काल में खादी ग्रामोद्योग आयोग का किया रिकॉर्ड कारोबार : अनुराग

हमीरपुर, 19 जून (कपिल) : केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट अफेयर्स राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने कोरोना काल (2020-21) में खादी ग्रामोद्योग आयोग द्वारा रिकॉर्ड 95,741.74 करोड़ रुपए के कुल वार्षिक कारोबार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल मुहिम का असर बताते हुए इससे अर्थव्यवस्था को बल मिलने की बात कही है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि पिछले वर्ष कोरोना आपदा के मुश्किलों भरे वक्त में देशी उत्पादों व तकनीकी को बढ़ावा देने, छोटे ...

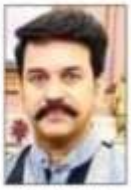

अनुराग ठाकुर

खादी आयोग का रिकॉर्ड प्रदर्शन रखता है बहुत महत्व

अनुराग ठाकुर ने कहा कि पिछले साल 25 मार्च, 2020 को पूरे देश में लॉकडाउन की घोषणा के बाद वर्ष 2020-21 में खादी आयोग का रिकॉर्ड प्रदर्शन बहुत महत्व रखता है। इस अवधि के दौरान सभी खादी उत्पादन इकाइयां और बिक्री आउटलेट बंद रहे, जिससे उत्पादन और बिक्री बुरी तरह प्रभावित हुई। वर्ष 2015-16 की तुलना में 2020-21 में खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्रों में कुल उत्पादन में 101 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि इस अवधि के दौरान कुल बिक्री में 128.66 प्रतिशत की वृद्धि हुई। खादी ई-पोर्टल, खादी मास्क, खादी फुटवियर, खादी प्राकृतिक पेंट और खादी हैंड सैनिटाइजर आदि का शुभारंभ, नई प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) इकाइयों की रिकॉर्ड संख्या की स्थापना, नए स्फूर्ति क्लस्टर, स्वदेशी के लिए सरकार की पहल और खादी आयोग का अर्धसैनिक बलों के सामग्री की आपूर्ति करने के ऐतिहासिक समझौते से महामारी के इस दौर में खादी ग्रामोद्योग के कारोबार में वृद्धि हुई है। मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ... हासिल ...

कि इसके सकारात्मक परिणाम हमारे सामने आने शुरू हो चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की खादी खरीदने की लगातार अपील के कारण बड़े पैमाने ...

All India Radio News

Khadi and Village Industries Commission (KVIC) has recorded its highest-ever turnover in 2020-21 despite COVID-19 pandemic. Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises said that KVIC has registered a gross annual turnover of over 95 thousand seven hundred crore rupees.

The Ministry said that KVIC registered a 7.71 per cent increase as compared to the previous year despite the nationwide lockdown.
KVIC Chairman Vinai Kumar Saxena said that during the pandemic people responded enthusiastically to the calls of 'Aatmanirbhar Bharat' and 'Vocal for Local'.

He said that during this period, KVIC's main focus was to create sustainable employment for artisans and unemployed youth. He added that faced with economic distress, a large number of youth took up self-employment and manufacturing activities under Prime Minister's Employment Generation Programme which increased the production in the village industry sector.

केवीआईसी के ब्रांड नाम 'खादी' के अवैध इस्तेमाल पर लगी रोक

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के ब्रांड नाम 'खादी' का अवैध इस्तेमाल कर सौंदर्य प्रतियोगिताओं और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के आयोजन पर उच्च न्यायालय ने प्रतिबंध लगा दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि खादी के नाम पर कोई 'भ्रामक' गतिविधि नहीं चलाई जा सकती।

केवीआईसी ने याचिका में आरोप लगाया था कि नोएडा स्थित खादी डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया (केडीसीआई) और मिस इंडिया खादी फाउंडेशन (एमआईकेएफ) जैसे निजी संस्थानों ने उसके ब्रांड नाम 'खादी' का अवैध रूप से इस्तेमाल कर लोगों को धोखा दिया है। न्यायमूर्ति संजीव नरुला ने एक पक्षीय आदेश में कहा कि दोनों संस्थाओं के नाम केवीआईसी के ट्रेडमार्क 'खादी' के लिए 'भ्रामक' हैं। इसलिए यह ट्रेडमार्क के उल्लंघन का मामला है। अदालत ने बचाव पक्ष केडीसीआई, एमआईकेएफ और

हाईकोर्ट ने सौंदर्य प्रतियोगिताओं और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों पर लगाया प्रतिबंध

इसके स्वयंभू मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकुश अनामी को आदेश दिया कि वे सोशल मीडिया ऐप इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक पर संस्था के सभी अकाउंट से खादी नाम हटाएं। कोर्ट ने अनामी को दोनों संस्थाओं की वेबसाइट से ऐसी सामग्री भी हटाने के निर्देश दिए, जो केवीआईसी की वेबसाइट से मिलती-जुलती हैं। केडीसीआई पर आरोप है कि यह फैशन डिजाइनरों को खादी प्रमाण-पत्र देने के एवज में उनसे दो हजार रुपये वसूल रहा था। उसने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से भी जुड़े होने का दावा किया था।

केवीआईसी सोशल मीडिया पर

- फेसबुक पर

केवीआईसी सोशल मीडिया पर

- इंस्टाग्राम पर

• Special Day posts •

Khadi India

स्वस्थ जीवन का प्राकृतिक मार्ग

बहुमुखी एवं मनमोहक
खादी डिजाइनर परिधानों
जैसे पर्यावरणानुकुल उत्पादों का एक स्थान
खादी वस्त्र, हर्बल उत्पाद,
रसायन रहित अगरबत्तियां,
विषाणु रहित एवं एन्टी फंगल शहद,
नैसर्गिक एवं आयुर्वेदिक सौन्दर्य उत्पाद
जैसे साबुन एवं शैम्पू,
हाथ कागज एवं पारंपरिक हस्तशिल्प
तथा अन्य उत्पादों की विशाल श्रृंखला

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड़, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई-400 056 वेबसाईट : www.kvic.org.in

भारत में हम रोजगार सृजन करते हैं तथा समृद्धि बुनते हैं